

यूनेस्को के साथ सहयोग के लिये भारतीय
राष्ट्रीय आयोग

1736. { डा० राम मनोहर लोहिया :
श्री किशन पटनायक :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) यूनेस्को के साथ सहयोग के लिये भारतीय राष्ट्रीय आयोग (इंडियन नेशनल कमीशन फार कोऑपरेशन विद यूनेस्को) के वर्तमान सदस्यों के नाम क्या हैं और इसकी विगत कार्यवर्ष और इस वर्ष में कितनी बैठक हुई और उसमें क्या क्या मुख्य निर्णय किये गये ;

(ख) पूर्वी भाषाओं के साहित्य के अनुवाद की यूनेस्को की योजना के अधीन विदेशी (यूरोपीय) भाषाओं में अनुवाद के लिये भारत के कौन कौन से प्राचीन ग्रंथ चुने गये हैं ; और

(ग) कौन कौन से ग्रंथों का अब तक विदेशी भाषाओं में (उन भाषाओं के नाम सहित) अनुवाद हो चुका है और अब तक प्रकाशित किये अनुवादित संस्करणों का क्या ब्यौरा है और शेष संस्करणों के प्रकाशन में यदि कोई विलम्ब हुआ हो, तो उसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) :

(क) 1963-64 की अवधि के दौरान, यूनेस्को के साथ सहयोग के लिए भारतीय राष्ट्रीय आयोग की मार्च, 1964 में एक बैठक हुई थी। आयोग के गठन और उसके सदस्यों की सूची अनुबन्ध 1 में दी गई है [पुस्तकालय में रखा गया देखिये संख्या LT—3716/64]

आयोग की पिछली बैठक में किए गए मुख्य-मुख्य निर्णय अनुबन्ध II में दिये गये हैं। [पुस्तकालय में रखा गया है, देखिये संख्या LT—3716/64]।

(ख) और (ग) : विदेशी भाषाओं में अनुवाद के लिये यूनेस्को को जिन भारतीय श्रेष्ठ ग्रंथों की सिफारिश की गई है तथा जिन ग्रंथों को अब तक विदेशी भाषाओं में अनुवादित किया जा चुका है उनकी सूची, आवश्यक विवरण सहित अनुबन्ध III और IV में दी गई है। [पुस्तकालय में रखे गये, देखिये संख्या LT—3716/64] चूंकि श्रेष्ठ ग्रंथों का विदेशी भाषाओं में अनुवाद करने के लिए, मूल रचनाओं की जानकारी रखने वाले योग्य व्यक्तियों की कमी है इसलिए इस प्रयोजन के लिए चुने गये सभी श्रेष्ठ ग्रंथों का अनुवाद और प्रकाशन पूरा करना यूनेस्को के लिए संभव नहीं हो सका है। अनुवादित रचनाएं विशिष्ट प्रकार की होने के कारण इनकी लोकप्रियता सीमित होती है और व्यापारिक प्रकाशकों के लिए आकर्षक नहीं होतीं, इसलिए उपयुक्त प्रकाशन ढूँढ़ने में भी यूनेस्को को कठिनाई होती है।

Theft Cases in New Delhi

1737. { Shri D. C. Sharma:
Shri Yashpal Singh:
Shri P. C. Borooah:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether the number of cases of thefts in New Delhi has been quite large during the last three months;

(b) the figures as compared to the corresponding period during the last year; and

(c) the action taken in the matter?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N. Misra): (a) and (b). 1,165 cases of thefts were reported in New Delhi during the period from 1st September 1964 to 30th November 1964 as against 977 during the corresponding period last year.

(c) Patrolling in the affected areas has been intensified. Special pat-

rolling and naka bandi is also being done from time to time to check thefts. Constable's beats have been reorganised to make patrolling more effective and meaningful. Activities of goondas and other anti-social elements are being kept under check by stringent surveillance.

Bibliography on Children's Books

1738. **Shri Yashpal Singh:** Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether it is intended to take up the work of compilation of an annotated bibliography on children's books other than text-books, for being recommended for school libraries;

(b) if so, the procedure adopted for the screening of such books; and

(c) when this work is likely to be completed?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): (a) There is no proposal in the Ministry for compilation of an annotated bibliography for school libraries. However, some of the State Governments have taken up the compilation of bibliographies of children's books in regional languages on the recommendation of the Central Advisory Board of Education.

(b) and (c). This information is not available with the Ministry.

मुगलकाल के सिक्के

1739. **श्री यशपाल सिंह:** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मुगलकाल के 90,000 सिक्कों की देहरादून स्थित पुरातत्वीय रसायनयज्ञ द्वारा रासायनिक परीक्षा की जा रही है; और

(ख) यदि हां, तो उस से अभी तक क्या परिणाम निकले हैं ?

शिक्षा मंत्री (श्री म० क० चागला) :
(क) लगभग 90,000 सिक्कों की रासाय-

निक परीक्षा की जा रही है। परन्तु वे मोहम्मद-बिन-तुगलक के राज्य के समय के प्रतीत होते हैं।

(ख) सिक्कों को पढ़ने योग्य बनाए जाने से पहले, रासायनिक-परीक्षा में काफी समय लगेगा।

Nehru Bhavans

1740. { **Shri Subodh Hansda:**
Shri S. C. Samanta:
Shrimati Savitri Nigam:
Shri M. L. Dwivedi:

Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to set up Nehru Bhavans in each State;

(b) if so, whether any scheme for such Bhavans has been prepared;

(c) the manner in which these Bhavans will be utilised; and

(d) when the construction of these Bhavans will start?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): (a) No, Sir.

(b), (c) and (d). Do not arise.

Pardons Granted by President

1741. **Shri Shree Narayan Das:** Will the Minister of Home Affairs be pleased to state the number of cases in which the President exercised the power vested in him under Article 72 of the Constitution regarding the granting of pardons, reprieves, or remission of punishment and other matters during 1964?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): Death sentence was commuted to imprisonment for life by the President in the case of 62 prisoners but in no case was pardon granted by him during the period from 1st